राज
कामिक्स विशेषांक
मूल्य 18.00 संख्या 176
कमांडो फोर्स
सुपर कमांडो ध्रुव
DOGA YEAR
by अनुपम vinod

नागराज के उपलब्ध कॉमिक

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शंगो
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयंकारी मणि
- अंकल शंकशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज और बगुला
- नागराज और जादूगर जमूरा
- नागराज और बौना शैतान
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- नागराज और तलत मौत
- ★ नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और कबुबों का खजाना
- नागराज और टोंडोला
- नागराज और तूफान-यू
- ★ नागराज और नगीना का जाल
- नागराज और जादू का शहंशाह
- नागराज और बुगाकू
- नागराज और अजगर का तूफान
- जलेरा का जादू
- विषंधरों की रानी
- ★ फिर आया नागराज
- नागराज और मिस्टर 420
- ★ नागराज और नगीना
- थोडांगा की मौत
- नागराज और कैप्टन बिगेवो
- ★ नागराज और मिस किलर
- ★ विनाशक नागराज
- ★ विसर्पी की शादी
- ★ शाकूरा का चक्रव्यूह
- ★ नागराज का अंत
- ★ ज़हर
- ★ नागपाश
- ★ समाधि
- ★ स्नेकर्किंग
- ● राजनगर की तबाही
- ★ विषकन्या
- ★ स्नेक पार्क
- ★ इच्छाधारी
- ★ खेकुली
- ● प्रलय
- ● विनाश
- ★ ज़हरीले
- ★ बांबी
- ● तानाशाह
- ● सूरमा
- ★ सपेरा
- ★ फन
- ★ नागिन
- ● कलियुग
- ★ विषअमृत
- ★ सम्मोहन
- ★ राज का राज

सुपर कमाण्डो ध्रुव के उपलब्ध कॉमिक

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रूहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वूडू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- ★ ग्रैण्ड मास्टर रोबो
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दावं
- ★ आवाज की तबाही
- ★ खूनी खिलौने
- ★ किरीगी का कहर
- ★ चुम्बा का चक्रव्यूह
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ★ डॉक्टर वायरस
- ★ सामरी की ज्वाला
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- ★ आत्मा के चोर
- ★ वैम्पायर
- ★ सुप्रीमा
- दलदल
- ★ उड़ती मौत
- चण्डकाल की वापसी
- ★ मैंने मारा ध्रुव को
- ★ हत्यारा कौन
- ★ सर्कस
- ★ हत्यारी राशियां
- ★ मौत के चेहरे
- ★ कमांडर नताशा
- ★ सजाए मौत
- ★ अंधी मौत
- ★ षड्यंत्र
- ★ महाकाल
- ★ खूनी खानदान
- ★ अतीत
- ★ जिग्सा
- ★ ध्रुव-शक्ति
- ★ जंग
- ★ दुश्मन
- ● निशाचर
- ★ क्विज़ मास्टर
- ★ ममी का कहर

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 8/-
★ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 16/-
● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य 25/-

शक्ति सीरीज के उपलब्ध कॉमिक

- ★ बांबी (नागराज-शक्ति)
- ★ डोगा-शक्ति
- ★ परमाणु-शक्ति
- ★ ध्रुव-शक्ति
- आई मुसीबत (भेड़िया-शक्ति)
- जिन्दा पत्थर (भेड़िया-शक्ति)
- अमानुष (एंथोनी-शक्ति)
- आई शक्ति
- वर्दी वाली औरत
- पवन पुत्री
- जोकर
- खबरदार शहरी
- पूजा एक्सप्रेस
- चोरनी
- एडवोकेट माधुरी
- बार्डर
- फूल और कांटे
- सारे जहां से ऊंचा
- महाबला
- चिंगारी

इसी सैट के कॉमिक

- ★ कमांडो फोर्स (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-) (ध्रुव का विशेषांक)
- ★ अपकारपरमाणु का (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-) (परमाणु का विशेषांक)
- ★ जाल (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-) (भोकाल का विशेषांक)
- ★ स्वयंवर (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-) (बांकेलाल का विशेषांक)
- ■ योगिनी (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (शक्ति)
- ■ हे राम (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (डोगा)
- ■ मिलिए मौत से (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (एंथोनी)
- ■ पिकासो (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (नागराज)
- ■ कंकडामैन (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (शक्तिमान)

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

आगामी सैट के कॉमिक

- ● भागो पागल आया (डोगा और भेड़िया का विशेषांक) (पृष्ठ संख्या: 96 मूल्य: 25/-)
- ★ डोगा ने मारा (डोगा और नागराज का टू इन वन विशेषांक) (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-)
- ★ जा ललकार मौत को (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-) (भोकाल का विशेषांक)
- ★ बिजनेसमैन (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 16/-) (फाइटर टोड्स का विशेषांक)
- ■ टॉर्चर (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (डोगा)
- ■ चैलेंजर (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (तिरंगा)
- ■ कानून का बाप (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (इंस्पेक्टर स्टील)
- ■ शैतान का जादू (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (बांकेलाल)

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन: प्रकाशक: राजा पॉकेट बुक्स, 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-84. फोन: 7221410.
visit us at: www.rajcomics.com

दिल्ली में वितरक: प्रकाशक: राजा पॉकेट बुक्स, 313, दरीबा कलां, दिल्ली-11006. फोन: 3278397.

बढ़ती आबादी, अमीरी और गरीबी के बीच चौड़ी होती खाई तथा इंसान के अंदर पनपता लालच का राक्षस, ये तीन कारण हैं हमारे समाज में बढ़ते तिलचट्टों से भी ज्यादा रफ्तार से बढ़ती अपराधियों की तादाद के! हर गली के मोड़ पर, हर मिनट एक नया अपराध जन्म लेता रहता है! और इनसे निबटने में हमारी सीमित पुलिस फोर्स अपने आपको असहाय पाती है। इसी कारण ध्रुव को मदद लेनी पड़ी है, अपनी ही तरह के एक और विनाशक की, और बढ़ानी पड़ी है अपनी...

कमांडो फोर्स

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा: जॉली सिन्हा | चित्र: अनुपम सिन्हा | इंकिंग: विट्ठल कांबले | सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय | सम्पादक: मनीष गुप्ता

अपराध के ये कीड़े जिस वातावरण में पनपते हैं, यह वातावरण हमारे समाज की उदासीनता के कारण पैदा होता है! जनता द्वारा अपराध होते देख कर दूसरी तरफ मुंह फेर लेना, पुलिस का रिपोर्ट ही न दर्ज करना ताकि कार्यवाही न करनी पड़े-
और राजनीतिज्ञों में जनता की मुश्किलों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव, अपराध को पनपने में पूरी मदद देता है-
मैं जानती हूं कमिश्नर मेहरा कि महानगर में स्ट्रीट गैंगों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है! पर फिर भी मैं आपको इनके खिलाफ सीधी कार्यवाही करने की अनुमति नहीं दे सकती!
लेकिन क्यों मैडम? अगर हम कार्यवाही नहीं करेंगे तो बढ़ते अपराध पर अंकुश कैसे लगा पाएंगे?
MAYOR
स्ट्रीट गैंगों को मारकर या उनको गिरफ्तार करके आप समस्या को बढ़ाएंगे ही कमिश्नर साहब, कम नहीं करेंगे!
किसी भी गैंग का एक भी सदस्य मारा जाए तो पूरा गैंग बदला लेने पर उतारू हो जाता है! और गिरफ्तार करके जेल में डालो तो ये पेशेवर मुजरिम बनकर बाहर निकलते हैं!
जो गैंग अपराध करे, उस पर आप जो कार्यवाही करना चाहें, करें! परन्तु सिर्फ अपराध की रोक थाम के लिए सभी गैंगों के खिलाफ बिना आधार के कार्यवाही करना गलत होगा!
आपका मतलब है कि हम पहले अपराध होने का इंतजार करें, और उसके बाद गिरफ्तारियां करें! इससे फायदा क्या होगा मैडम? अपराध से हुए नुकसान की भरपाई कौन कर पाएगा?
आप इन गैंगों को गलत समझ रहे हैं! मैं ऐसे इलाकों में खुद रही हूं! मैं जानती हूं ऐसे गैंगों को! ये सिर्फ अपनी मां-बहनों की और अपने इलाके की सुरक्षा करते हैं! आपका बेटा ध्रुव भी तो कुछ ऐसा ही करता है न?
आप ध्रुव की कमांडो फोर्स की तुलना स्ट्रीट गैंगों से कर रही हैं? दोनों में फर्क है मैडम!
कोई फर्क नहीं है! दोनों ही अपने समाज की सुरक्षा, अपने-अपने तरीकों से करते हैं!
अगर स्ट्रीट गैंग रोकने हैं तो पहले जाकर कमांडो फोर्स बंद कीजिए! आखिर वे पुलिस का काम क्यों कर रहे हैं?

वे कानून की रक्षा करते हैं, उसे तोड़ते नहीं हैं! और यह तो हर नागरिक का कर्तव्य है!
वैसे भी कमांडो फोर्स को राष्ट्रपति भवन से सीधी अनुमति मिली हुई है! मैं चाहूं तो भी उनके खिलाफ कुछ नहीं कर सकता!
इसी बात ने तो मेरे भी हाथ बांध रखे हैं! वर्ना मैं यह कतई नहीं चाहती कि पुलिस का काम नागरिक करें! खैर, कुछ भी हो...
...मैं आपको स्ट्रीट गैंगों के सदस्यों के खिलाफ किसी कार्यवाही की अनुमति सिर्फ तभी दूंगी, जब वे अपराध करेंगे! अब मेरी दूसरी मीटिंग का वक्त हो रहा है!
मेयर के कमरे से वापस आते वक्त कमिश्नर राजन मेहरा के दिमाग में कई सवाल उठ रहे थे-
यह तो मैं जानता हूं कि मैडम सांवरिया आज से बीस साल पहले कोलीपाड़ा के स्लम एरिया में रहती थीं! और कोलीपाड़ा से काफी तादाद में स्ट्रीट गैंग पैदा होते रहते हैं! यह तो जाहिर है कि मैडम उन गैंगों के काफी सदस्यों को जानती होंगी!
MAYOR
लेकिन सब यह भी जानते हैं कि कानून व्यवस्था के मामले में मैडम काफी सख्त हैं! ऐसे में स्ट्रीट गैंगों के खिलाफ कार्यवाही रोकने का प्रयास करना मुझे कुछ समझ में नहीं आया...
...चक्कर कुछ और ही लगता है!
"समाज में कानून व्यवस्था को बनाए रखना हर नागरिक का फर्ज है!" कमिश्नर मेहरा की इस बात पर ध्रुव और कमांडो फोर्स पूरी तरह से खरी उतरती थी-
ये रही सभी ज्ञात 'स्ट्रीट गैंगों' की लिस्ट कैप्टेन! ऐसे करीब तेरह-चौदह गैंग हैं! सबसे बड़ा गैंग 'किंग' है! फिर 'थंडर बोल्ट' 'एलीगेटर' 'डायनामाइट' ब्रदरहुड, वगैरह-वगैरह! फिलहाल ये सब छोटे-मोटे अपराध करते रहते हैं, जैसे पॉकेट मारी, हफ्ता वसूली, या ड्रग बेचना! ये हत्या, डकैती, अपहरण फिरौती जैसे मामलों से अभी दूर रहते हैं... इसीलिए पुलिस इनके खिलाफ कुछ खास नहीं कर पाई है!
STREET GANGS
वैसे भी करीम, ये जिन इलाकों में रहते हैं, पुलिस भी वहां जाने से घबराती है!

क्योंकि स्कती वे सारे इलाके तंग और घुमावदार गलियों से भरे हुए हैं। और दूसरे ये गैंगों के युवा सदस्य आपराधिक प्रवृत्ति के होने के साथ-साथ जोशीले निडर और परिणाम की परवाह न करने वाले होते हैं! अभी तक कुछ खास नहीं हुआ तो आगे जरूर होगा, करीम!
राजनगर बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। जिस दिन संगठित अपराध जैसे माफिया वालों की नजर इन पर पड़ गई, उस दिन से कयामत टूट पड़ेगी! पापा ठीक कहते हैं!
इनको रोकना होगा!
कोई न कोई रास्ता निकालना ही होगा!
ध्रुव के दिल की आवाज अक्सर सही साबित होती थी-
आप मुझे यहां पर क्यों लाए हैं गार्जियन? स्कांत तो हमारे अड्डे पर भी मिल सकता था!
कयामत ने अपना पहला कदम उठा लिया था-
मैं तुमको जो समझाना चाहता हूं, उसके लिए बहुत ज्यादा स्कांत की जरूरत है! तुम दूसरे सबसे बड़े स्ट्रीट गैंग 'थंडर बोल्ट' के लीडर हो! अब समय आ गया है कि तुम छोटे-मोटे अपराध छोड़कर स्क नई दुनिया में जाओ, धन्नू!
बड़ा हाथ तो मैं भी मारना चाहता हूं, गार्जियन! पर दूसरे गैंग वाले अपने इलाके में घुसने नहीं देते! थंडर बोल्ट के इलाके में बड़ा हाथ मारने लायक जगह है ही नहीं! और फिर सबसे बड़ा डर तो उस... सुपर कमांडो ध्रुव का है! उससे कैसे बचेंगे?
यही तो योजना की शुरुआत है धन्नू! दूसरे गैंग वालों और सुपर कमांडो ध्रुव को रास्ते से हटाना!
पुलिस को तो मैं संभाल लूंगा...
पर यह होगा कैसे गार्जियन?
अक!
ऐसे! इस महायज्ञ की शुरुआत तुम्हारी बलि से होगी!

तेरा खून घी की जगह इस महायज्ञ में डाला जाएगा! फिर धू-धू करेगा, जलेगा राजनगर!
शुरू होगा गैंगवार, जिनको कंट्रोल करेगा गार्जियन! और इस यज्ञ की अन्तिम आहुति होगा... सुपर कमांडो ध्रुव!
उसके बाद गार्जियन को रोकने वाला कोई नहीं होगा! क्योंकि पुलिस तो मेरे इशारे पर नाचती है!
मेयर सांवरिया को जल्दी ही बिगड़ती स्थिति का एहसास होने वाला था-
आ गए, कुबेरवाने से वापस घर?
तुम तो मेरी इज्जत खाक में मिलाकर रहोगे! लोग क्या कहेंगे, जब उनको पता चलेगा कि मेयर सांवरिया का पति स्लम के स्क स्कूल का टीचर है!
तुम कोलीपाड़ा जाना बन्द कर दो!
ओ मम्मी! आप भी तो छुप-छुपकर कोलीपाड़ा स्लम जाती रहती हैं! मुझे पता है, आप आज भी गई थीं!
फिर पापा तो स्लम के बच्चों की जिन्दगी ही सुधार रहे हैं! कोई गलत काम तो नहीं कर रहे!

वैसे तुम्हारी मम्मी कुछ भी कहे, रोहित, इसे स्लम से बड़ा प्यार है... आज ही इसने वहां से उस 'पुलिस-पिकेट' को हटवा दिया, जो बिना वजह स्लम के युवाओं को परेशान करते फिरते थे! मुझे एक पुलिस वाला ही बता रहा था!
अ... अच्छा, अच्छा! चलो! हाथ-मुंह धोकर खाना खा लो!
खा लूंगा! वैसे तुमने ये काम बहुत अच्छा किया चित्रा! स्लम के युवाओं का अपराधीकरण पुलिस नहीं रोक सकती, पर शिक्षा जरूर रोक सकती है!
और मैं उसी दिशा में प्रयास कर रहा हूं! पर तुम कोलीपाड़ा क्यों गई थी?
बस ऐ... ऐसे ही! तुम खाना खा लो!
मम्मी!
क्या हुआ?
देखो मम्मी! कमांडो फोर्स का एड निकला है! नए कैडेटों की भर्ती के लिए! मैं भी एप्लाई कर दूं?
इसमें बुराई ही क्या है चित्रा? कमांडो फोर्स तो बच्चों में साहस की भावना को बढ़ावा ही देती है! और वे बंदूक पिस्तौल जैसे फायर आर्म्स का सहारा भी नहीं लेते!
मैंने 'नहीं' कह दिया तो 'नहीं' समझ लो! मैं इस मामले में बहस करना नहीं चाहती!
नहीं! बिल्कुल नहीं! कैडेट बनना तो दूर, आइन्दा से कमांडो फोर्स का नाम भी मेरे सामने मत लेना!
समझे?
उसी रात - कोलीपाड़ा स्लम के एक हिस्से में -

क्या खबर है, पहाड़ी? कहां पर छिपे हैं... 'एलीगेटर' गैंग वाले?
प... पता नहीं चला रॉनी!
सूअर के बच्चे, जानता है न कि हमारा खर्चा कैसे चलता है?
हमारे इलाके के लोग हमको अपनी रक्षा के लिए पैसे देते हैं!
प्रोटेक्शन मनी! ... अरे, वे सोचेंगे कि जब हम अपने लीडर धन्नू की रक्षा नहीं कर पाए, तो उनकी रक्षा क्या खाक करेंगे!
वे पैसे देने बन्द कर देंगे! हमारा धंधा बन्द हो जाएगा, और फिर या तो हम भूख से मरेंगे, या दूसरे गैंग वाले हमको धन्नू की तरह कुत्ते की मौत मार डालेंगे! यही चाहता है न तू? यही चाहता है न?
न... नहीं, रॉनी भाई!... म... मैं तो एलीगेटर गैंग को साफ कर देना चाहता हूं!
हां, सिर्फ यही करने से हमको फिर से इज्जत मिलेगी!

दुमदबाकर भाग जा, और जब तक 'स्लीगेटर गैंग' के छिपने का ठिकाना पता न लग जाए तब तक अपना मुंह मुझे मत दिखाना!
वर्ना यह मुंह तेरे धड़ पर नहीं रहेगा! जा!
स्लीगेटर गैंग को ढूंढते-ढूंढते बूढ़े हो जाओगे!...
...पर उनका पता नहीं लगा पाओगे! उनका पता जानता हूं तो सिर्फ मैं!
तू है कौन और हमारे अड्डे तक पहुंच कैसे गया? खैर, जाने दो! स्लीगेटर का पता जानता है तो बता, और फिर यहां से फूट ले!
गार्जियन! हां, हां, धन्नू भाई ने एक दो बार तुम्हारा जिक्र किया तो था! कह रहा था कि कोई गार्जियन हम लोगों को बड़े धंधे में ले जाना चाहता है!
अच्छा बता, कहां पर है स्लीगेटर गैंग?
घर आए मेहमान की ऐसी खातिरदारी करना बुरी बात है!... वैसे मैं गार्जियन हूं! तुम्हारा लीडर धन्नू मुझे जानता था... मुझे भी उसकी मौत का उतना ही अफसोस है, जितना तुमको है!
ऐसे नहीं! पहले तुम सबको कसम खानी होगी! वादा करना होगा कि अब से तुम वैसा ही करोगे, जैसा मैं कहूंगा...
... इससे तुम बड़े धंधे में भी जाओगे, और बदला भी ले सकोगे! अब से तुम्हारा गार्जियन मैं रहूंगा!

यानी धन्नू के बाद गैंग का लीडर तू बनना चाहता है! और फिर मैं क्या करूंगा? भुट्टे भूनूंगा? हमारे गैंग का लीडर कोई गैंग वाला ही बनता है! बाहर वाला नहीं! पकड़ लो मोटे को!
और इसके हलक में स्लीगेटर गैंग के बारे में जो जानकारी है, उसे जबान की रस्सी के सहारे बाहर खींच लो...
पूरा 'थंडर बोल्ट गैंग' गार्जियन की तरफ लपक पड़ा! उनकी स्लीगेटर गैंग की हड्डियां न तोड़ पाने की कसक गार्जियन की हड्डियां तोड़कर शायद पूरी हो जाती-
और थोड़ी बहुत हड्डियां टूटी भी जरूर-
पर वे गार्जियन की हड्डियां नहीं थीं-
बिजली को भी शरमा देने वाली गति से गार्जियन के हाथ घूमे-

और 'थंडर बोल्ट' के सड़कछाप गुंडों को-
जमीन चाटने में ज्यादा देर नहीं लगी-
लेकिन इस हार ने उनके अंदर की आग को और भड़का दिया! और इस बार उनके हाथों में और घातक हथियार चमक उठे-
बस, बहुत खेल हो गया! अब मैं तुम्हें खत्म कर दूंगा! रॉनी पर हाथ उठाने वाला जिन्दा नहीं बचता!
अगर मुझे मार दोगे, तो तुमको 'एलीगेटर गैंग' का पता कौन बताएगा?
वैसे भी मैंने यह बचाव तुमको यह दिखाने के लिए किया था कि तुममें लड़ने का जोश तो है, पर उसे ट्रेनिंग की जरूरत है। लड़ो तो जीतने के लिए, लड़ने के लिए नहीं! और ये देशी पिस्तौल भी इस्तेमाल करना बन्द करो! देखो, मैं तुम्हारे लिए क्या लेकर आया हूं!

वाssssह! बंदूकें! इंपोर्टेड, और वह भी ऑटोमैटिक!
हां! तुम 'एलीगेटर गैंग' को चाकू छुरी या कट्टों से नहीं, बल्कि इनसे खत्म करोगे! क्योंकि वे भी जानते हैं कि तुम उनको खत्म करने के लिए जरूर आओगे, और उनकी तैयारियां भी पूरी हैं! वे तुम्हारे पूरे गैंग को खत्म कर देना चाहते हैं!
पुलिस ने पूरे एलीगेटर गैंग को गिरफ्तार तो जरूर किया था, परंतु कोई सबूत न होने के कारण वे सभी बेदाग छूट गए!
और इससे उनके हौसले और बुलंद हो गए हैं!
हमको तुम्हारी शागिर्दी मंजूर है, गार्जियन!
आज से तुम हमारे गार्जियन हो!
अब बताओ, वे कमीने कहां पर छिपे हुए हैं!
धड़!
'राज डिपार्टमेंटल स्टोर' की बहुमंजिली इमारत के बेसमेंट पार्किंग में एक छोटा सा कमरा है! वे वहीं पर हैं!
बस, उसी डिपार्टमेंटल स्टोर में उनकी रसीदें काट दी जाएंगी!
चलो दोस्तो!
तुम यहीं पर हमारा इंतजार करना गार्जियन!
इसी समय- कमांडो हैडक्वार्टर में -
कैप्टेन, तुम्हारे लिए किसी का फोन है! नाम नहीं बता रहा! कह रहा है कि सिर्फ तुमसे बात करेगा!
हैलो! सुपर कमांडो ध्रुव बोल रहा हूं!
आपके लिए एक जरूरी खबर है! स्ट्रीट गैंग थंडर बोल्ट अपने लीडर धन्नू की हत्या का बदला लेने के लिए एलीगेटर गैंग को मारने निकला है! मुठभेड़ राज डिपार्टमेंटल स्टोर के बेसमेंट में होगी!

इस लड़ाई में जानें तो जाएंगी ही जाएंगी, साथ ही गैंग वाले ऑटोमैटिक गनों का इस्तेमाल कर रहे हैं! डिपार्टमेंटल स्टोर के कई निर्दोष खरीदार भी मारे जा सकते हैं! इस लड़ाई को रोक सकते हो तो रोक लो!
अब मेरे महायज्ञ के कुंड में लपटें भी उठने लगी हैं! दूसरी आहुति का समय आ गया है!
हैलो, हैलो! तुम कौन?
क्या हुआ, कैप्टेन?
किसी अज्ञात आदमी का फोन था! राज डिपार्टमेंटल स्टोर में दो गैंग आपस में टकराने वाले हैं! अब पता नहीं खबर सच्ची है या झूठी!
मैं जरा वहां का चक्कर मार कर आता हूं! तुम तब तक पुलिस को इंफार्म कर दो!
आज मेयर मैडम सांवरिया उसी एरिया में एक रैली का आयोजन कर रही हैं! उस एरिया की पूरी पुलिस फोर्स उनकी सिक्योरिटी के लिए वहीं गई हुई है!
इंफार्म करने का कोई फायदा नहीं होगा ध्रुव!
ओ, हैल! ये पॉलिटीशियन अपनी जान के आगे किसी दूसरी जान की कीमत कुछ समझते ही नहीं हैं!
भगवान करे, यह खबर झूठी हो... या मैं समय पर वहां पहुंच जाऊं!

खबर झूठी नहीं थी-
और ध्रुव का समय से यहां पहुंच पाना भी शायद संभव नहीं था-
क्योंकि कत्ले आम की शुरुआत होने ही वाली थी-
वो तो कहो कि जिन्दगी अभी बची थी, इसीलिए यहां का गार्ड अपने ही इलाके का निकल गया, और उसने हमको यहां पर छिपने की जगह दे दी! वर्ना इस वक्त हम पोस्टमार्टम हॉल की चट्टानों पर लेटे होते!
लेकिन बाबू भाई, जब हमने धन्नू का कत्ल किया ही नहीं तो हमको थंडरबोल्ट वाले क्यों मारेंगे? वैसे भी, अगर वे हमसे लड़ने आएंगे तो हम यूं ही दुबके थोड़ी रहेंगे! मुकाबला करेंगे!
हमको हिंसा नहीं करनी है! यह याद रखना! और रही धन्नू को न मारने की बात, तो यह थंडरबोल्ट गैंग को समझाना!
क्योंकि मुझे खबर मिली है कि वे हमको पूरे शहर में शिकारी कुत्तों की तरह ढूंढते फिर रहे हैं!
एक मिनट? ये देखूं कि किसका फोन है!
ट्रिंग
हैलो, गार्डरूम बेसमेंट पार्किंग...
अबे, मैं खुद गार्ड ही बोल रहा हूं! फटाफट वहां से निकल लो!
मैंने थंडरबोल्ट गैंग की वैन इसी इलाके में देखी है! शायद उनको तुम्हारी महक लग गई है!
जिन्दा बचना चाहते हो तो वहां से तुरंत निकलो! हैलो... हैलो... मर गए क्या?
बाबू भाई! रॉनी!

तू वैन में ही बैठा रह पहाड़ी! हमें फटाफट काम करके यहां से निकल लेना है!
GUARD ROOM
ओए, बाहर आओ, स्लीगेटर गैंग के मगरमच्छो!
तुम पर गाज बनकर गिरने के लिए थंडर बोल्ट गैंग आया है!
बाहर आओ! मैं मरने से पहले तुम सबके चेहरों पर मौत का नाच देखना चाहता हूं!
स्लीगेटर गैंग के सदस्य, एक सेकंड पहले बाहर कूद चुके थे-
इनके पास तो 'हाई एक्सप्लोसिव ऑटोमैटिक वेपन्स' हैं! चारों तरफ बिखर जाओ! पर याद रखना, हम हिंसा नहीं करेंगे!
हम सिर्फ बचाव करेंगे! हमको अपराधियों की श्रेणी में नहीं आना!
धन्नू को मारकर अपराधियों की श्रेणी में तो तुम सब पहले ही आ चुके हो! अब और किस अपराध की बात कर रहे हो?
धन्नू को हमने नहीं मारा, रॉनी...

मैंने तो सुना था कि मरने वाला झूठ नहीं बोलता! पर तू तो इस बात को गलत साबित कर रहा है! खैर, तुझे तो मैं तड़पा-तड़पा कर मारूंगा!
और मेरे गैंग वाले तेरे साथियों का भी यही हाल करेंगे!
पार्किंग में छिपने की जगहें तो बहुत थीं! पर ढूंढने वाले भी बहुत थे-
डर मत कटीली! मुझसे शादी करने का वादा कर तो मैं रॉनी को तुझे जिन्दा छोड़ने पर मना लूंगा!
तेरे साथ जिन्दगी गुजारने से तो अच्छा होगा कि मैं खुद को गोली मार लूं!
मेरे होते तू ये तकलीफ क्यों करती है! मैं खुद ही तुझे गोली मार दूंगा!
अब तो तू बाहर निकलेगी न!
अब मौत और कटीली के दरम्यान उतना ही वक्ती फासला था, जितना ऊंगली को ट्रिगर पर दबने में लगना था-
अब क्या बोलती तू?

कहानी 19 पेज से

प्रिय मनीष जी, चींचींची (नमस्ते), मैने अभी आपकी संपादित कॉमिक **ममी का कहर** पढ़ी। बड़ी ही रहस्यपूर्ण और लाजवाब कॉमिक थी। अनुपम जी के चित्रों की तो बात ही क्या? परन्तु आपकी कॉमिक में कुछ बातें मेरी समझ में नहीं आईं। पहली: पृष्ठ नं.15 में हाजीपीर अपनी इलेक्ट्रॉनिक गन से इलेक्ट्रॉनिक रेज छोड़ता है। उसकी चपेट में ध्रुव, चण्डिका यहां तक की विक्रम तथा उसके साथी तक आ जाते हैं। परन्तु हाजीपीर इसकी चपेट में नहीं आया जबकि इलेक्ट्रॉनिक रेज टेढ़ा-मेढ़ा रास्ता तय करके किसी को भी अपनी चपेट में ले रही हैं। दूसरी: पृष्ठ संख्या 33 में रेपिडएक्शन फोर्स ममी पर असली गोलियां चलाती हैं तो वे गोलियां ममी से टकराकर परावर्तित हो जाती हैं। परन्तु ममी तो एक मानव की लाश है उसमें गोलियां धंस सकती हैं परन्तु मुड़ नहीं सकतीं।

–सुदेशकुमार, पालमपुर

● डियर सुदेश, **ममी का कहर** पढ़कर चहचहाने के लिए धन्यवाद। तुम्हारे मन में उठी शंकाओं का सिलसिलेवार समाधान इस प्रकार है। पृष्ठ सं.15 हाजीपीर की इलेक्ट्रॉनिक गन अगर चलाने वाले पर भी असर करती तो भाई भला ऐसी गन बनाई ही क्यों जाती। जाहिर है कि जो गन खुद चलाने वाले को ही धराशायी कर दे उसे तो इस्तेमाल में लाया ही नहीं जाएगा। कृपया पृष्ठ सं.33 के पहले फ्रेम को ध्यान से देखें। वास्तव में इस समय तक ममी को विक्रम द्वारा बदला जा चुका है। कैप्सूल में बंद ममी, असली नहीं, नकली मशीनी ममी है। यह न समझें कि ममी पृष्ठ सं.28 के पहले और दूसरे ब्लॉक के बीच में बदला गया है।

प्रिय मनीषजी, ध्रुव की नई कॉमिक '**ममी** **कहर**' पढ़ी। काफी दिनों बाद ध्रुव की कॉमिक में एक बार फिर सस्पेंस देखने को भी मिला। कॉमिक बहुत अच्छी लगी और एक गलती भी दिखी। पेज नं. 42 के फ्रेम नं.1 में जब बस नकली ममी के ऊपर से निकलती है, तो लाश को और उस पर लगे इलेक्ट्रोनिक यंत्रों को नुकसान क्यों नहीं पहुंचता है।

–प्रवीण, सौरभ, संदीप सिंह, सवाई माधोपुर

● प्रिय पाठको, ध्यान रखें कि विक्रम ने लाश को हाइड्रोलिक पावर युक्त लोहे के मशीनी हिस्सों द्वारा सुसज्जित किया था। इसलिए लोहे के खोल के अंदर इलेक्ट्रानिक यंत्र होने के कारण यंत्रों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

प्रिय मनीष जी, ध्रुव की कॉमिक **ममी का कहर** पढ़ी। यह **राज कॉमिक्स** की एक और शानदार भेट थी। ममी का कहर कॉमिक ऐसी है जो चिराग लेकर ढूंढ़ने से भी नहीं मिलेगी। अब एक शंका, ममी के कहर में श्वेता ने बताया था कि गजबल दौरी का पुत्र खो गया था और गजबल दौरी साढ़े तीन हजार वर्ष बाद उठा था। अर्थात उसका पुत्र लगभग साढ़े तीन हजार वर्ष पहले खोया होगा तो विक्रम ने गजबल दौरी का पुत्र बनने की कोशिश कैसे की। क्योंकि विक्रम की उम्र साढ़े तीन हजार साल नहीं हो सकती थी। यह बात उसे समझनी चाहिए थी और ध्रुव को भी विक्रम की उम्र पर ध्यान रखना चाहिए था।

–दीपक शर्मा, मुरादाबाद

● चमकते शर्माते दीपक भाई, सबसे पहले आपकी शंका का समाधान कर दें। विक्रम अपने आप को गजबल दौरी का पुत्र नहीं, बल्कि वंशज बता रहा है। वंशज यानी बेटे का बेटा या उसका बेटा या उसका बेटा यानी शॉर्ट में समझ गए न?

प्रिय मनीष गुप्ता जी, मैंने आपके द्वारा संपादित सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक **ममी का कहर** पढ़ी। यह विशेषांक मुझे बहुत अच्छा लगा और इसकी कहानी भी बहुत अच्छी थी। मगर एक बात मेरी समझ में नहीं आई कि पेज नं.31 में फ्रेम नं.5 और पेज नं.32 में फ्रेम नं.1 और 3 में ममी पर पानी का कोई असर नहीं होता है। वह पानी की तेज धारा के कारण आगे नहीं बढ़ता है। पानी की धारा ममी के शरीर को पूरी तरह भिगो देती है तब इलेक्ट्रॉनिक यंत्र गड़बड़ाने चाहिए इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों के तार शॉट सर्किट हो जाने चाहिए मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। कृ आप मेरी ये उलझन सुलझाइये।

–प्रकाश भाटी, बड़े

● डियर प्रकाश, विक्रम ने अपनी न ममी को वाटर प्रूफ भी बनाया था। इस पानी की धार, उसके लोहे के मशीनों पु पार करके अंदर लगे इलेक्ट्रॉनिक य नहीं पहुंच पाई। लेकिन धुआं और धूल ममी के मुंह से होते हुए सीधे अं इलेक्ट्रॉनिक यंत्र तक पहुंच गए औ खराबी पैदा कर दी।

प्रिय मनीष जी नमस्ते, मैंने सु ध्रुव का नया विशेषांक **ममी का क** पढ़कर अच्छी लगी। लेकिन मेरी समझ में नहीं आई। पेज नं.5 कहता है कि नकली ममी को वह है लेकिन पेज नं.44 में ममी वि फाड़ देती है जबकि ध्रुव, नताशा ममी के पास होते हैं। मुझे ये बता चलाता है?

–मो

● नासिर मियां, जरा पेज नं. 2 के विक्रम के डायलॉग को पढ़ो तो। पढ़ लिया? हां, तो तु विक्रम के सामने ममी ने

जी, नमस्ते! आपके द्वारा प्रकाशित [illegible]

मम्मी का कहर [illegible]

[illegible] या है कि डॉ. राव टेस्ट ध्रुव उछलता है फ्रेम नं. 3 में वो कहता है कि वो [illegible]

–दीपककुमार साह, [illegible]

मम्मी का कहर [illegible]

सबसे पहले तो संपादित सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक मम्मी [illegible] पने पाठकों में का कहर पढ़ा। यह विशेषांक मुझे बहुत पसंद [illegible] नं.4 की जो बहुत अच्छे लगे। मैं आपसे एक बात पूछना [illegible] www [illegible] पर में पढ़ा raicomics.com. इसका अर्थ क्या हुआ।

● प्रिय धर्मेन्द्र, पत्र के लिए धन्यवाद। राज [illegible] आपके कॉमिक्स के पहले पृष्ठ के नीचे जो visit us [illegible] का नया at w.w.w.raicomics.com. लिखा [illegible] यह कहता है वह हमारा internet का पता है [illegible]

और अब चलते चलते...

● प्रिय पाठको, अपर्णा ने दरभंगा से [illegible] का है, कि हम लड़कियों के पत्रों का स्थान [illegible] हमको आपस करना चाहिए क्योंकि आप [illegible] की गुड़िया में ज्यादा दिलचस्पी होती है [illegible] लड़कों को खेलकूद में। तो लड़कियों [illegible] गुज़रे ज़माने की बात है। आज की लड़कियों [illegible] कॉमिक्स लड़कियों को भी [illegible]

बुराड़ी, दिल्ली 84

कटीली को एक तरफ लपकता देख, गोल्फ कैप वाले गुंडे की गन अपने आप ही उस निशाने की तरफ घूम गई-
और साथ ही साथ ध्रुव की आवाज भी गूंज उठी-
उसको छोड़...
...और इसे संभाल!
ओह! तूने किसी कार का टायर खोल लिया है; पर मैंने बहुत क्रिकेट खेला है! इसीलिए बाउंसरों से झुककर बचने की टेकनीक मुझे आती है!
मैं जानता था तू टायर से बच लेगा, पर जरा टायर की हवा से भी बचकर दिखा.
स्टार ब्लेड के धंसते ही-
टायर ने अपने अंदर भरी सारी हवा एक साथ, उस गुंडे के मुंह पर उगल दी-
और जब तक वह अपनी आंखें खोलने के लायक हो पाता-
ध्रुव ने उसकी आंखें लंबे समय के लिए बन्द कर दीं-
एक कम हुआ, अब तुम उधर से घूमकर दूसरे गुंडे के पीछे से आओ! मैं सामने से जाकर उससे निबटता हूं!
ओ. के. ध्रुव

अब धीरे-धीरे मुकाबला बराबरी का हो रहा था! थंडर बोल्ट गैंग की संख्या घटती जा रही थी! और साथ ही साथ उनके हथियार भी खामोश होते जा रहे थे-
लेकिन पलड़ा अभी भी थंडर बोल्ट गैंग की तरफ ही झुका हुआ था-
आऽऽऽह!
अब तू मरेगा ध्रुव! तू पहाड़ी के हाथों मरेगा.
मिनी ट्रक के धक्के ने ध्रुव को पार्किंग के उस कोने में जा फेंका, जो तीन तरफ से तो बंद था, और चौथी तरफ से मौत बढ़ती आ रही थी-
बचने की एक ही जगह है! ट्रक के बैक और पहिए के बीच की जगह! अब इससे पहले कि यह ट्रक फिर से आगे बढ़कर वापस आ सके...
...मैं इसके नीचे से, तेजी से फिसलकर, बाहर निकल लूंगा!...

... और इस ट्रक चालक का दिमाग 'न्यूट्रल गियर' में पहुंचा दूंगा.
तड़ाक
अब मुकाबला पांच से दो का था–
यानी पलड़ा 'एलीगेटर गैंग' के पक्ष में झुक गया था–
हथियार डाल दो, रॉनी!
तुम्हारे तीनों साथी हमारे कब्जे में आ चुके हैं!
नहीं! कभी नहीं! रॉनी मर जाएगा पर हथियार नहीं डालेगा!
थंडर बोल्ट गैंग के तीन सदस्य, रास्ते से हट चुके थे–
हथियार खुद नहीं डालोगे तो हम तुमको मजबूर कर देंगे रॉनी!
और निहत्था रॉनी अपनी तरफ बढ़ती उन तीन आकृतियों को असहाय सा देखता रहा–
लेकिन तभी–
ठहरो!

मौका मिलते ही रॉनी ने फिर से अपना हथियार संभाल लिया–
अब सबसे पहले मैं तुझे मारूंगा, सुपर कमांडो ध्रुव! तेरे मरते ही ये सारे अनाथ हो जाएंगे! और फिर इनको मारना बच्चों का खेल होगा!
मैं इससे आराम से बच सकता हूं! लेकिन मेरी ऐसी कोशिश करते ही ये उस लड़के को गोली मार देंगे... क्या करूं?
रॉनी की उंगली ट्रिगर पर कसने लगीं–
पर तभी–
बाजी पलट गई–
बंधक आजाद हो गया–
जस्टिस के रहते कभी अनजस्टिस नहीं हो सकता!
रॉनी लिफ्ट की तरफ भाग रहा है, ध्रुव.
जस्टिस! अब तुम कौन हो?
जस्टिस हूं मैं! जिनको सबूतों के अभाव में जज सजा नहीं दे पाए, उनको सजा देने निकला हूं मैं! न्याय होगा, और अवश्य होगा!
गोलियों की बौछार ने किसी को भी लिफ्ट तक पहुंचने नहीं दिया–
ओफ! इस रास्ते से यह सीधा डिपार्टमेंटल स्टोर के अंदर पहुंच जाएगा!
और इस वक्त वहां काफी भीड़ होगी!

लिफ्ट ऊपर जा चुकी है! यानी रॉनी ऊपर जाकर खरीदारों को बंधक बनाने की कोशिश जरूर करेगा. चाहे कुछ भी हो जाए, किसी निर्दोष की जान नहीं जानी चाहिए! मैं ऊपर जा रहा हूं! इस दौरान तुम लोग कुछ भी ऐसा मत करना, जिससे जानें खतरे में पड़ जाएं!
हमारा और तुम्हारा मकसद एक ही है ध्रुव! हम तुम्हारे रास्ते में नहीं आएंगे! हम यहीं पर रुककर थंडरबोल्ट गैंग के बेहोश सदस्यों का पार्सल बांध देते हैं! पुलिस के लिए!
रॉनी को ढूंढना मुश्किल नहीं होगा! क्योंकि जिस फ्लोर पर रॉनी होगा, वहां से चीख-पुकार जरूर आएगी!
चीखों की आवाजें, उस फ्लोर से आ रही थीं, जिस पर 'गार्मेंट सेक्शन' था-
मेरी बच्ची! मेरी बच्ची!
हट, अगर कोई मेरे रास्ते में आया...
...तो बच्ची को मरा हुआ समझना!
रॉनी बौखला गया है! इस स्थिति में अगर मैं उसके सामने गया तो बच्ची को नुकसान पहुंच सकता है! मुझे अपनी चाल सोच-समझकर चलनी होगी!
ध्रुव के दिमाग में बच्ची की जान बचाने का लक्ष्य सबसे ऊपर था-
लेकिन जस्टिस के काम करने का तरीका शायद कुछ और था-
बच्ची को छोड़ दे रॉनी, वर्ना इस गलती के लिए तू जिन्दगी भर पछताएगा।
आगे मत बढ़ना!
...है.
जस्टिस का बदन बिजली की तरह लहरा था-
और रॉनी के कुछ समझ पाने से पहले ही-

बच्ची उसके हाथों से छिन चुकी थी-
है?
लो, पकड़ो अपनी बच्ची! और सभी लोग इस फ्लोर को खाली कर दें!
जस्टिस की इस हरकत ने-
रॉनी की रही सही बुद्धि भी छीन ली-
अब तू जिन्दा नहीं बचेगा! उस बच्ची की जिन्दगी को बचाने के एवज में तुझे अपनी जिन्दगी देनी होगी!
ओफ्! जस्टिस ने वही कर डाला, जो मैं नहीं चाहता था! उसने बच्ची को बचा तो लिया, पर अगर जरा सी भी चूक हो जाती, तो बच्ची मारी जाती... खैर, अब रॉनी को जस्टिस की हत्या करने से रोकना होगा! और वह भी बहुत जल्दी!
रॉनी का ध्यान दूसरी तरफ खींचना होगा!
कुछ ही पलों बाद रॉनी को कोई चीज अपनी तरफ लपकती हुई नजर आई-
और उसकी बंदूक अनायास ही उस तरफ घूम गई-
?
पुतला! यह तो पुतला है! पर... इसके पैरों में ध्रुव के स्केट्स बंधे हैं! यानी वह भी कहीं आस-पास ही है!
रॉनी का ध्यान कुछ पलों के लिए बंट तो जरूर गया था-

परंतु इस बार जस्टिस उसे चकित नहीं कर पाया—
उसे खुद आश्चर्य-चकित हो जाना पड़ा—
हा हा हा! मैंने कहा था न कि तुझे अपनी जान देनी होगी! बाहर निकल ध्रुव! और देख अपने साथी को मरते हुए!
देख तो रहा हूं! पर अपने साथी को मरते हुए नहीं...
...तुझे बेहोश होते हुए!
आवाज तो ध्रुव की ही है.
पर तुम पुतले के अंदर घुसे कैसे ध्रुव?
घुसना तो असंभव है जस्टिस. इस पुतले का बैक मैंने स्टार ब्लेड से काट दिया है. अब आगे से देखो तो पुतला दिखेगा! पीछे से देखो तो मैं!
अस्ल में अपने शरीर द्वारा लड़ता हूं! तुम्हारी तरह दिमाग द्वारा नहीं!

जब तक तुम्हारी लड़ने की स्टाइल कानून के दायरे में रहेगी, जस्टिस, तब तक तुम ध्रुव को हमेशा अपने साथ पाओगे! वैसे मुझे खुशी है कि अब अपराध से लड़ने के लिए तुम्हारे जैसे और हाथ भी उठ रहे हैं!
नहीं ध्रुव! तुम समाज के लिए लड़ते हो, लेकिन मैं यह लड़ाई अपने लिए लड़ रहा हूं! मुझे किसी की तलाश है! बदला लेना है मुझे किसी से! पर कानून के दायरे में रहकर!
किससे बदला लेना है तुमको? उसने क्या बिगाड़ा है तुम्हारा?
यह जानकर क्या करोगे ध्रुव? बस इतना जान लो जो मेरा दुश्मन है, वह समाज का भी दुश्मन है! लोग 'गार्जियन' के नाम से बुलाते हैं उसको! और इन थंडर बोल्ट' वालों के हाथ में जो अत्याधुनिक हथियार तुमने देखे, वह शायद 'गार्जियन' द्वारा ही इनको दिए गए हैं! वह कौन है यह तो मैं नहीं जानता, क्योंकि वह अपना चेहरा हमेशा ढक कर रखता है!
पर पुलिस और राजनीतिज्ञों में उसकी काफी गहरी पैठ है! ऊंची पहुंच है उसकी!
समझा! यानी इन स्ट्रीट गैंगों के पीछे किसी का हाथ है. और वह इनके जरिए इस शहर पर अपना शिकंजा कसना चाहता है!
हां, ध्रुव! जिस दिन वह मुझे मिल गया, उस दिन मेरी तलाश पूरी हो जाएगी! और उस दिन से 'गार्जियन' के साथ-साथ 'जस्टिस' भी खत्म हो जाएगा.
वह स्ट्रीट गैंगों का नाम बदनाम कर रहा है! उसको पकड़ने में हम भी तुम्हारी मदद करना चाहते हैं ध्रुव!
हुम! गार्जियन ने तुम सबको मरवाने की कोशिश की है! यानी तुम सब उसके लिए खतरा हो! क्यों, यह तो मैं नहीं जानता, पर ऐसे सड़कों पर घूमते रहे तो तुम पर दुबारा भी हमला हो सकता है! और उस बार शायद न ध्रुव आ पाए, और न ही जस्टिस!
फि...फिर हम क्या करें?

इन गैंगों से बचने का एक ही रास्ता है! पुलिस से 'प्रोटेक्शन' मांगो!
'प्रोटेक्शन' के नाम पर पुलिस हमको जेल में या लॉकअप में डाल देगी! यह हमारी समस्या का समाधान नहीं है जस्टिस!
तुम कमांडो फोर्स में नए के ढेरों की भर्ती कर रहे हो, एलीगेटर गैंग को अपनी कमांडो फोर्स में क्यों नहीं भर्ती कर लेते?
या इनके साथ जो गैंग का शब्द जुड़ा है, वह इनके अच्छा बनने में रुकावट पैदा करेगा?
बोलो, जस्टिस! मैं जो हो सकता है, वो करूंगा.
तो फिर और क्या रास्ता बचता हैऽऽऽ? यस, एक तरीका है! अगर ध्रुव चाहे तो...
हम कमांडो फोर्स में भर्ती के लिए तैयार हैं, ध्रुव!
वर्ना तो हम सब कुत्ते की मौत मारे जाएंगे!
कमांडो फोर्स के दरवाजे सबके लिए खुले हैं!... सिर्फ एक बात का ध्यान रखना होगा. नियम और कानून काफी कड़े हैं. अनुशासन का पालन पूरी तरह से करना होगा! और किसी भी किस्म का आग्नेयास्त्र यानी फायर आर्म जैसे बंदूक, पिस्तौल का प्रयोग एकदम मना होगा!
उनका इस्तेमाल करना होता तो हम अभी कर लेते ध्रुव! पर अपनी जानें खतरे में होने के बाद भी हमने गोली का जवाब गोली से नहीं दिया.
हम शपथ लेते हैं कि आज से हमारी जिन्दगी का ध्येय अपराध का अंत करना होगा. हम किसी भी आग्नेयास्त्र का प्रयोग नहीं करेंगे, और कानून को अपने हाथ में कभी नहीं लेंगे, हम अपनी जान दे देंगे, पर किसी और की जान हम अपने हाथों से कभी नहीं लेंगे. अगर हम यह शपथ तोड़ें तो ईश्वर हमें सजा दे.
यह तो मैंने भी देखा था. ठीक है, तुम सब मेरे साथ शपथ लो...
तुम्हारी जरूरत की बाकी चीजें तुमको उपलब्ध करा दी जाएंगी

इस घटनाक्रम ने ध्रुव के दिमाग में थोड़ी सी खलबली भी मचा दी थी-
'एलीगेटर गैंग' को मैंने बचा भी लिया और कमांडो फोर्स में शामिल भी कर लिया! लेकिन एक दो सवाल भी उठ खड़े हुए हैं! अगर कोई गार्जियन सचमुच एलीगेटर गैंग के सदस्यों को मारना चाहता है तो किसलिए? और मुझे इस मुठभेड़ की खबर पहुंचाने वाला कौन था, और इन सबसे उसका फायदा क्या हुआ?
ऐसे और भी सवाल हैं, और वे सभी 'गार्जियन' की तरफ ही इशारा करते हैं! यानी गार्जियन है इस पूरे घटनाक्रम की धुरी.
पर ये गार्जियन है कौन?
'गार्जियन' को पूरे घटनाक्रम की खबर थी-
ध्रुव भी बच गया, और एलीगेटर गैंग भी! और मेरे लाखों के हथियारों के साथ-साथ थंडर बोल्ट वाले पकड़ लिए गए, खैर आगे देखते हैं कि क्या होता है... अब यहां रुकने का कोई फायदा नहीं है!
घर चलना चाहिए
मेयर सांवरिया के घर भी इस घटनाक्रम की खबर पहुंच रही थी-
तुम अब घर आ रही हो? पर तुम थीं कहां अब तक?
मैंने कोलीपाड़ा स्लम में एक ... खुलवाया है! उसी का उद्घाटन समारोह था! पर तुम कहां से आ रहे हो?
तुम तो कोलीपाड़ा में नहीं थे?
मैं पुलिस स्टेशन से आ रहा हूं!
हमारे कोलीपाड़ा स्लम के पांच लड़के अत्याधुनिक हथियारों के साथ पकड़े गए हैं! किसी थंडरबोल्ट गैंग के लड़के हैं! वे राज डिपार्टमेंटल स्टोर में किन्हीं दूसरे गैंग वालों को मारने गए थे!
व्हाट! मैं स्लम के लड़कों को सुधारने की कोशिश कर रही हूं, और वे अपराध की तरफ मुड़ रहे हैं! उनके पास हथियार आए कहां से?
यह तो पता नहीं! मैं उनकी जमानत करवाने गया था, पर जमानत नहीं हुई!
अब तो वे सारे जेल में सड़ेंगे!

सहते हैं तो सहने दो अब तुम कभी भी ऐसे अपराधियों का पक्ष लेने को कहीं नहीं जाओगे। मैं तो यह सोच रही हूं कि कमिश्नर साहब को मैं क्या मुंह दिखाऊंगी।
दुखी मत हो! अब मैं ऐसा दुबारा नहीं करूंगा। पर क्या करता? सब अपने ही तो बच्चे हैं। मुझसे रहा नहीं गया तो थाने चला गया, खैर चलो, खाना खा लो।
अगले कुछ दिन कोलीपाड़ा स्लम के स्ट्रीट गैंगों के साथ-साथ पूरे राजनगर में पनप रहे अन्य स्ट्रीट गैंगों के लिए भी काफी भारी थे–
हुम! ये 'स्नैक' तो एकदम 'फ्रवाऊ' है! इसे अपने सारे डिस्ट्रीब्यूटरों तक पहुंचा दे। और माल एडवांस ले लेना।
आ पहुंचे?

तूने मुझे मारा! मुझे मारा! एलीगेटर गैंग के गद्दारों, तुमने धंधे से गद्दारी की है। हमारा केंकड़ा गैंग तुम लोगों में से किसी को जिन्दा नहीं छोड़ेगा! अंधाधुंध गोलियां बरसाओ साथियों! एक भी जिन्दा बच कर न जाने पाए।
अंधाधुंध गोलीबारी ने कुछ पलों के लिए सभी को आड़ लेने के लिए विवश कर दिया–
ये सभी पागलों की तरह गोलियां दाग रहे हैं। किसी को गोली लग भी सकती है! इस लड़ाई को जल्दी खत्म करना होगा! और इसका एक तरीका मेरे दिमाग में आ रहा है!
ओ० के० कैप्टेन! हमारे बीच में इशारों की भाषा चलती है। मैं सभी को ये मैसेज दे देता हूं।
अगले ही पल, ध्रुव का बदन फिसलता हुआ उस टेबल तक जा पहुंचा, जिस पर ड्रग्स से भरा कार्टन रखा हुआ था–
और एक किक ने कार्टन चलते पंखे की तरफ उछाल दिया–

और पंखे के तेज रफ्तार से घूमते परों ने पतली प्लास्टिक की थैलियों को फाड़ते हुए उसमें भरी स्मोक को पूरे कमरे में फैला दिया-
कमांडो फोर्स के कैडेट तो पहले ही सांस रोक चुके थे, लेकिन 'केंकड़ा गैंग' के सारे सदस्यों को सांस रोकने का मौका ही नहीं मिला-
अब उनसे निपटना कमांडो फोर्स के बाएं हाथ का काम था-
ओ! खों खों, शायद बाहर ताजी हवा से कुछ आराम मिले
वह दौड़ कर बाहर कूदा तो जरूर-
लेकिन अगले ही पल फिर से अन्दर

अस्थिर! मैं सोच ही रहा था कि तुम आखिर कहां रह गए!
इस लड़ाई में तुम मुझे हमेशा अपने साथ ही पाओगे ध्रुव, पर मैं लड़ाई के बीच में कूदूंगा तभी, जब समझूंगा कि तुमको मेरी जरूरत है, मुझे भी इन गैंगों को खत्म करके गार्जियन की ताकत को नष्ट करना है!
यह 'गार्जियन' आखिर है कौन? अगर हम सीधे उसको पकड़ सकें, तो शायद ये गैंग अपने आप ही खत्म हो जाएंगे!
वह कोलीपाड़ा में गैंगों से मिलने के लिए अक्सर आता-जाता रहता है, ऐसी खबर मेरे पास है। मैं कोलीपाड़ा के चप्पे-चप्पे पर नजर रखे हुए हूं। जैसे ही वह मुझे नजर आएगा, मैं तुम तक खबर पहुंचा दूंगा।
और उसको तुम्हारे सामने ही बेनकाब करूंगा!
और फिर- गार्जियन के गढ़ एक-एक करके गिरने लगे! कमांडो
गिरफ्तार करती जा रही थी-

अब आपका कमांडो फोर्स के बारे में क्या ख्याल है मैडम? ध्रुव ने आपके कोलीपाड़ा के स्ट्रीट गैंग को ही कमांडो फोर्स में भर्ती करके उनकी मदद से अपराध के पेड़ को लगभग पूरा काट डाला है!
अब सिर्फ एक बड़ा गैंग 'किंग' बचा हुआ है। वे अपनी सारी आपराधिक गतिविधियां बंद करके न जाने कहां अंडरग्राउंड हो गए हैं।
उनके गिरफ्त में आते ही यह ऑपरेशन पूरा हो जाएगा, और राजनगर से इन स्ट्रीट गैंगों का नामो-निशान मिट जाएगा।
मैं यह सब जानती हूं मिस्टर मेहरा! लेकिन एक स्ट्रीट गैंग को ही स्ट्रीट गैंगों को खत्म करने में मदद देना मेरी इस बात को सही साबित करता है कि
मैं आपसे सहमत हूं मैडम... वैसे मैं यहां पर आपसे एक और जानकारी लेने आया था। हमको एक-दो स्ट्रीट गैंगों से पता चला है कि गार्जियन नाम का कोई नकाबपोश इन स्ट्रीट गैंगों को अत्याधुनिक हथियार और दूसरे लालच देकर अपने अंडर में करना चाहता है! शायद वह इन स्ट्रीट गैंगों की मदद से राजनगर में एक नई अपराध लहर फैलाना चाहता था। वह कोलीपाड़ा में अक्सर आता-जाता रहता है! क्या आप बता सकती हैं कि यह नकाबपोश गार्जियन कौन हो सकता है?
उसका कद लगभग पांच फुट चार इंच है! मोटा शरीर और काफी फुर्तीला भी है!
ये हुलिया तो मुझे भी फिट बैठता है कमिश्नर
मैंने किसी गार्जियन का नाम कभी नहीं सुना।
शक की सुई, मेयर सांवरिया की तरफ घूम चुकी थी

कमांडो फोर्स
और छानबीन का काम शुरू हो चुका था-
आखिर कमिश्नर साहब को मेयर सांवरिया पर शक क्यों है, कैप्टेन? वह 'गार्जियन' बनकर ऐसा काम भला क्यों करेगी?
जब भी किसी केस की छानबीन की जाती है रेणु, तो उस केस से संबंधित हर आदमी को शक के दायरे में लेना पड़ता है।
और फिर मेयर सांवरिया, इन गैंगों के सदस्यों को जानती भी है, और उसका हुलिया भी गार्जियन से मेल खाता है।
गुंडों और राजनीतिज्ञों की सांठ-गांठ कोई अनोखी बात नहीं है! चुनाव जीतने के लिए और गद्दी पर बने रहने के लिए राजनीतिज्ञ अक्सर गुंडों का ही सहारा लेते हैं!
वैसे चाहता तो मैं भी यही हूं कि मेयर सांवरिया निर्दोष निकलें
खैर, तुम ये बीस साल पुराने सारे अखबारों को चेक करो, हमको मेयर सांवरिया के अतीत का पता लगाना है!
देखो, इसमें उनसे संबंधित कोई जानकारी है या नहीं!
कुछ घंटों की कड़ी मेहनत के बाद रेणु के हाथ एक जानकारी लग ही गई-
वो मारा! बीस साल पुराने इस अखबार में लोकल कुश्तियों पर एक आर्टिकल छपा है। इन कुश्तियों पर लोग दांव लगाते थे। और मर्दों की इस कुश्ती में एक महिला भी भाग लेती थी। वह ब्लैक बेल्ट होल्डर थी, और उसने कई कुश्तियों में मर्दों को भी धूल चटाई थी। उस औरत की फोटो छपी है। नाम तो मोनल्ल वंडर वूमेन लिखा है, लेकिन फोटो आज प्रसिद्ध मैडम सांवरिया की ही है!
और यह जानकारी इस शक को और पक्का ही कर रही है कि गार्जियन और मेयर सांवरिया एक ही शख्स के दो रूप हैं!
गार्जियन का इरादा तो किसी को पता नहीं था, लेकिन उसकी आखिरी उम्मीद किंग गैंग पर टिकी हुई थी-
ऐसे चूहों की तरह हम कब तक दुबके रहेंगे, बादशाह? ऐसे या तो हम भूख से मर जाएंगे या बोरियत से।
जब तक मामला ठंडा न हो जाए, तब तक कोई बाहर नहीं जाएगा
वर्ना सभी अपनी उम्र बिताने के लिए जेल की रोटियां तोड़ते नजर आओगे

तब तक कम से कम शेरियत से तो न मरूं! आजा छबीली, तब तक तेरे साथ कुछ गप-शप मार ली जाए!
हमारे गैंग में नई-नई शामिल तो जरूर हुई है, लेकिन तेरे तेवर किसी भी किंग गैंग मेंबर से ज्यादा तेज हैं! जो तुझे हाथ लगाएगा कट जाएगा।
जाकर कोई छोटा-मोटा हाथ मारें?

मारो तो बड़ा हाथ मारो! और उसके बाद जब तक छुपे रहना चाहो, छुपे रहो! ... वर्ना ऐसे ही छुपे रहे तो छुपे-छुपे ही दम तोड़ दोगे.
तुम यहां तक कैसे पहुंच गए? कौन हो तुम?
मदद? वैसी ही जैसी थंडर बोल्ट गैंग की करी थी और उनको जेल पहुंचा दिया।
वे मूर्ख थे! मैंने उन पर भरोसा करके बड़ी गलती की। मुझे सबसे पहले तुम्हारे पास ही आना चाहिए था। उससे तुम्हारा भी भला होता, और मेरा बदला भी पूरा हो जाता!
गार्जियन! और गार्जियन अपने बच्चों को हमेशा ढूंढ निकालता है.
और मुसीबत में उनकी मदद भी करता है.
बदला? कैसा बदला गार्जियन!
स्लीगेटर गैंग का खात्मा!
वे अभी तक जिंदा हैं, और उनकी गद्दारी ने स्ट्रीट गैंगों को ही खत्म कर दिया है!
अब हमारे पास आने का क्या फायदा? हम तो खुद ही छिपे हुए हैं. अब हम तुम्हारी क्या मदद कर सकते हैं?
मदद नहीं फायदा! मैं तुम्हारा फायदा कर सकता हूं, और तुम मेरा फायदा! तुम स्लीगेटर गैंग को खत्म कर दो, और मैं तुमको बताऊंगा कि बड़ा हाथ कैसे और कब मारना है. मंजूर है तो बोलो!
मंजूर है!
फोटो तो बहुत बार देखी थी! असली आज पहली बार देख रहा हूं!
ठीक है! बताओ, हमको कहां पर बड़ा हाथ मारना है?

इसमें से आधे हीरे तुम्हारे और आधे मेरे.
मंजूर है! और तुम्हारे बदले का क्या होगा?
कागज पर लिखे हैं!
ठीक है. काम खत्म करके यहीं मिलते हैं!
गार्जियन की जान पर औरों की नजर भी थी-
ध्रुव, तुम तुरंत कोली पाड़ा के रहमत चौक पर पहुंचो! गार्जियन इसी एरिया में है!
ठीक है, चलो, देखें, कहां है गार्जियन!

गार्जियन को शायद किसी के आने की उम्मीद नहीं थी-
गार्जियन! तेरा खेल खत्म हो चुका है!
आज मैं तुमसे अपने भाई की मौत का बदला लूंगा जिसे तूने स्ट्रीट गैंग में शामिल न होने पर बड़ी बेदर्दी से कत्ल कर दिया था!
एक मिनट जस्टिस! कुछ गड़बड़ है! ये न तो भागने की कोशिश कर रहा है, और न कोई प्रतिरोध!
मुझे तो यह कुछ भ्रमित सा लग रहा है!
जस्टिस का वार लगते ही-

ध्रुव और जस्टिस ने यों ही लड़ाई की कई कलाओं में माहिर थे,
वह तो मैं भी देख रहा हूं ध्रुव, अब तो लगता है कि इस पर कोई घातक वार ही करना पड़ेगा।
उसकी नौबत नहीं आएगी जस्टिस, अब तक हम लड़ाई गलत तरीके से लड़ रहे थे। हमारा मकसद इसको पकड़ना होना चाहिए। जबकि हम इसको पीट-पीटकर बेहोश करने पर तुले हुए थे!
इसमें चाहे जितनी भी ताकत क्यों न आ गई हो, पर ये 'नाइलोस्टील' से बनी इस स्टार लाइन की कैद से आजाद नहीं हो पाएगा।
जैसे मकड़ी का जाल, अपने शिकार को गिरफ्त में लेता जाता है-
गार्जियन अपना संतुलन खोकर जमीन पर आ गिरा-
ये इंजेक्शन की वॉयल! गार्जियन ने इसी का इंजेक्शन लिया है...
भला गार्जियन को सिर्फ ताकत बढ़ाने के लिए ऐसा इंजेक्शन लगाने की जरूरत क्यों पड़ी?
पर क्या करता? महीनों से मेरे दिल में जो नफरत पल रही थी, उसको निकलने से मैं नहीं रोक पाया।
देखो तो सही कि 'गार्जियन' आखिर है क्या?

और गार्जियन के मुंह से चीख निकल पड़ी-
नहीं जस्टिस! मुझे मेयर सांवरिया के अतीत का थोड़ा बहुत पता है. ये अपने मां-बाप की इकलौती सन्तान हैं. इनकी कोई बहन नहीं है!
वैसे भी सारे शक मेयर सांवरिया की तरफ ही इशारा कर रहे थे!...
...अब इनको पुलिस के हाथों सौंपने के अलावा और कोई चारा नहीं है
ये जरूर उनकी कोई जुड़वां बहन होगी ध्रुव!
और रही-सही शक की गुंजाइश स्ट्रीट गैंग के सदस्यों की गवाहियों ने खत्म कर दीं-
V.I.P. WARD
ध्रुव अपनी इस सफलता से
क्या बात है, कैप्टेन? गार्जियन को पकड़ने के बाद भी तुम सोच में डूबे हुए हो. क्या सोच रहे हो?

अभी-अभी न्यूज आई है! सबसे बड़ा और आखिरी बचा हुआ स्ट्रीट गैंग किंग, अत्याधुनिक हथियारों के साथ राजनगर बंदरगाह के कंटेनर यार्ड की तरफ गया है! शायद वे कोई बड़ी डकैती डालकर हमेशा के लिए अंडरग्राउंड होना चाहते हैं! ये उनको पकड़ने का एकमात्र मौका है!
तो ये मौका हम नहीं चूकेंगे.
ठीक है! पर याद रखना! फायर आर्म्स का प्रयोग बिल्कुल नहीं! चाहे कुछ भी हो जाए!
हमको अपनी शपथ याद है कैप्टेन! लेट्स गो!
चलो!
आज हम गार्जियन के साथ-साथ स्ट्रीट गैंगों को भी हमेशा के लिए खत्म कर देंगे!
कंटेनर यॉर्ड पर आज कयामत बरसने वाली थी-
और 'डिश एंटीना' जैसे दूसरे संचार यंत्र हमने पहले ही तोड़ दिए हैं! अब इस जगह का संपर्क दुनिया से कट चुका है.
जाली भी कट गई है!

मेरा एक सुझाव है बादशाह!
हां, बोल छबीली!
हमारे इतनी सावधानी बरतने के बाद भी खतरा कहीं से भी आ सकता है! इसलिए हममें से चार-पांच लोग कंटेनर से हीरे निकालने जाएं, और बाकी इधर-उधर फैलकर अपनी-अपनी पोजीशन ले लें ताकि कहीं से भी खतरा आने पर हम उससे निबट सकें...
वाह! ये बात तो मेरी खोपड़ी में ही नहीं आई! ऐ सुनो, तुम सब कंटेनरों के इधर-उधर घुसकर चारों तरफ नजर रखो! काम होने का सिग्नल मिलने पर ही बाहर आना! तू भी मेरे साथ आ छबीली.
नहीं बादशाह! उधर का काम तो आसान सा है! कंटेनर तोड़ो, हीरे निकालो, और फूटलो! खतरा तो इधर ही है न! मैं इधर का सारा इन्तजाम संभाल लूंगी!

कंटेनर यॉर्ड के अन्य गॉर्डों को भी सतर्क कर दिया-
कुछ बड़ी गड़बड़ है! फोन काम नहीं कर रहा है, और न ही वायरलेस. हमको खुद ही निबटना होगा!
हम तैयार हैं!
कंटेनरों की आड़ में पोजीशन लिए किंग गैंग के मैंबर भी सतर्क थे
गॉर्ड आ रहे हैं! अभी इनको गोलियों से छलनी कर देता हूं!
नहीं! गोलियों की आवाज़ बहुत दूर तक जाती है! इनसे मैं निबट लूंगी!
अपनी तरफ लपकती उस आकृति को देखकर गॉर्डों की पिस्तौलें अपने-आप तन उठीं-
निशाना भी सही था-
धांय धांय
पर गोलियां भी क्या करें, जब उनके निशाने तक पहुंचने पर, निशाना ही अपनी जगह से सरक चुका हो-

वाह, छबीली! इनको गोली से मारने में वह मजा नहीं आता, जो तूने इनकी पिटाई करके मुझको दिया है!
मैंने इनकी पिटाई तुझे मजा देने के लिए नहीं...
... बल्कि इनकी जान बचाने के लिए करी है!
इनकी जान बचाने के लिए? मैं कुछ समझा नहीं! तू इनकी जान बचाना क्यों चाहती है?
वर्ना तू इनको गोली से मार डालता. अभी ये थोड़ी देर बाद होश में आ जाएंगे!
यह तू नहीं समझेगा लल्ले! और वैसे भी मेरे पास समझाने का वक्त नहीं है...
अभी मुझे तेरे उन्नीस और साथियों को बेहोशी की दुनिया में पहुंचाना है! और मेरे पास दस मिनट से ज्यादा का समय नहीं है!
हमारा काम दस मिनट में खत्म हो जाना चाहिए! हीरों वाला कंटेनर तो हमको मिल ही गया है. अब बस इसका ताला तोड़कर हीरे बाहर निकालने हैं! दो सौ करोड़ के हीरे हैं!
अभी इसे गोली से उड़ा देता हूं.
DIAMONDS

गोली चली-
और सभी नीचे झुक गए-
अब क्या करें?
ताले से नाल सटाकर गोली दागो! हमको सिर्फ ताला ही तोड़ना होगा!
क्योंकि उसका इस्तेमाल मुझे तुम सबकी खोपड़ियां तोड़ने के लिए करना है
मर गए! इन कंटेनरों की चादर तो बहुत सख्त लगती है! गोली सिर्फ एक गड्ढा ही कर पाई, और वापस उछलकर इधर ही आ रही है!
ऐसा है तो बंदूक से हथौड़े का काम लो! मार-मारकर तोड़ लो!
ऐसा मत करना!
सुनो! हमने यहां पर आकर स्थिति देखने के बाद जो प्लान बनाया है, उसी पर अमल करना! दो-दो के ग्रुप में बंट कर इनसे मुकाबला करो! याद रखना, कंटेनरों के सामने ये बंदूकों का प्रयोग नहीं करेंगे! क्योंकि टकराकर वापस आती गोलियों से इनको भी खतरा हो सकता है!
सुपर कमांडो ध्रुव! और साथ में एलीगेटर गैंग के मेंबर भी हैं! कमांडो फोर्स के रूप में! उड़ा दो इन सबको!

तुम लोग 'किंग गैंग' के अन्य मैंबरों को इसहीरो से भरे कंटेनर से दूर रखने की कोशिश करो! इन चार-पांच गुंडों से मैं निबट लूंगा!
किंग गैंग के सदस्य यह बात फिलहाल नहीं जानते थे कि ध्रुव और कमांडो फोर्स के अलावा एक तीसरा खतरा भी उनके सिर पर मंडरा रहा था-
छबीली! तू यहां पर क्या कर रही है? तूने सुना नहीं कि अभी-अभी ध्रुव और एलीगेटर गैंग वाले यहां पर घुस आए हैं! उनको पकड़कर खत्म करना है! जाकर ढूंढ उनको.
उनकी कोई जरूरत नहीं है बबरा! क्योंकि मुझे पता है कि आगे क्या होने वाला है:
क्या होने वाला है?
यह होने वाला है!
अब तक हर गैंग मैंबर जान गया था कि नई कमांडो फोर्स उसी कंटेनर
वो रहा! एक गद्दार
बाईं तरफ मुड़ते ही-
दोनों कमांडो कैडेटों की चाल के शिकार बन गए-
क्योंकि एक कैडेट दाईं तरफ पहले से ही पोजीशन लिए हुआ था-
अरे! कहां गई?
मैं यहां हूं गंजे
दूसरी कमांडो टीम भी पीछे नहीं थी-

कमांडो के हेट तो काफी आसानी से अपने काम को अंजाम दे रहे थे-
लेकिन ध्रुव के लिए स्थिति इतनी आसान नहीं थी-
ओह! मैं इस तरह से इन सबसे एक साथ नहीं निबट सकता. क्योंकि एक तो इन्होंने कंटेनरों के ऊपर भी पोजीशन ले रखी है, जहां से ये मुझे आसानी से निशाना बना सकते हैं, और दूसरे यहां पर ही इनके मतलब की चीज, यानी हीरों से भरा कंटेनर होने के कारण, दूर-दूर फैले गैंग के सदस्य भी यहीं पर आकर जमा होते जा रहे हैं.

ऐसे तो मैं लाख सावधानी बरतने के बावजूद भी किसी न किसी गोली का निशाना बन ही जाऊंगा! मुझे कोई ऐसा तरीका सोचना होगा, जिससे इन सबसे एक साथ ही निबट सकूं.
लापरवाही मेरे काम आ सकती है.
क्योंकि जिस कंपनी का यह कंटेनर है उसके नाम के अनुसार ही इसमें 'मिनरल वॉटर' की सत्ताइस लीटर वाली बोतलें भरी हुई हैं! मेरी योजना को मेरे एसिड कैप्सूल ही अमल में ला सकते हैं! मेरे पास सिर्फ कुछ ही एसिड कैप्सूल हैं!
इसलिए मेरा एक भी निशाना चूकना मेरे लिए खतरनाक हो सकता है!
निशाना चूकने की संभावनाएं बहुत कम थीं-
पहले दो एसिड कैप्सूलों ने कंटेनर के दरवाजे पर लगे लॉक को गलाना शुरू कर दिया-
और अगले दो कैप्सूल उन दो जंजीरों पर जाकर फटे, जो अन्य जंजीरों की मदद से कंटेनर को हवा में रोके हुए थी-

स्लिड ने तेज़ी से चेनों को गलाना शुरू कर दिया, और चेनों के टूटते ही कंटेनर उस तरफ झुक गया, जिस तरफ दरवाज़ा था-
अन्दर भरी मिनरल वॉटर की बोतलें लुढ़कती हुई दरवाज़े पर आ जमा हुईं और दरवाज़े पर दबाव बढ़ने लगा-
आखिरकार स्लिड से गल चुके ताले ने प्रतिरोध करना छोड़ दिया, और दरवाज़ा खुलकर हवा में झूल गया-
से उनका पाला पहले कभी नहीं पड़ा था-

कुछ गुंडे तो इन भीषण टक्करों से बेहोश हो गए, और अपने आपको संभालने की कोशिश कर रहे दूसरे गुंडों को ध्रुव और कमांडो फोर्स ने बेहोशी की दुनिया में धकेल दिया-
ये गया किंग गैंग का आखिरी मेंबर...
गलत ध्रुव, कहानी का अन्त तो अभी बाकी है!
नननन! हिलने की कोशिश मत करना! पहले अपने चारों तरफ देख लो! हम सबको तुमसे बहुत डर लगता है! इसलिए अगर हम डर से कांपें और ट्रिगर दब जाए तो हमको दोष मत देना.
क्योंकि इस कहानी का अंत तो तुम्हारे अंत के साथ ही होना है।
जस्टिस! तुम यहां पर? और तुम यह क्या बकवास कर रहे हो?
ओह! यानी इस षडयंत्र में एलीगेटर गैंग भी शामिल है! पर तुम्हारा प्लान है क्या?
मैं कुछ-कुछ तो समझा हूं, पर पूरी तरह से नहीं समझ पा रहा हूं!

... मेरा प्लान है, सुपर कमांडो ध्रुव! इस गधे जस्टिस को प्लान बनाने की तो क्या चाय बनाने तक की तमीज नहीं है!
गार्जियन!
यानी मेरे दिल की आवाज़ गलत नहीं थी! सारे सुबूत मैडम सांवरिया के खिलाफ होने के बावजूद भी वे गार्जियन नहीं हैं!
मैं जानता था कि तू सच्चाई भांप लेगा, और फिर असली गार्जियन को एक न एक दिन जरूर ढूंढ निकालेगा! इसीलिए तो तेरा मरना जरूरी है ध्रुव! वर्ना अगर तू जिन्दा रहेगा, तो मेरे सीने में फांस की तरह जिन्दगी भर चुभता रहेगा!
अब रही प्लान की बात तो वह भी बताता हूं! लेकिन पहले जरा ऐसा इन्तजाम कर लूं जिससे तू कहानी सुनाते-सुनाते बीच में कोई चाल न चल जाए!
इसको इस केबिन में कैद कर दो कमांडोज...
कुछ ही मिनटों बाद ध्रुव की 'यूटिलिटी बेल्ट' और ब्रेसलेट उतारे जा चुके थे, और उसका शरीर बिना सलाखों वाले एक पिंजरे में कैद हो चुका था-
अब तू कोई चाल नहीं चल सकता ध्रुव! अब मैं तुझको आराम से बताऊंगा कि तूने मेरा क्या काम किया है, और फिर तुझे आराम से मारूंगा...
... दरअसल मैं शहर में पनप रहे बेशुमार 'स्ट्रीट गैंगों' से परेशान हो चुका था! इससे मेरे ड्रग बेचने और हफ्ता वसूलने जैसे पुराने धंधों में काफी रुकावट आ रही थी! हर गैंग ने अपना एक छोटा सा एरिया बांट लिया था! और उन इलाकों में जाकर धंधा करने का मतलब था, उन गैंगों से लड़ते रहना! ऐसे धंधा थोड़े ही हो सकता था! स्ट्रीट गैंगों की सफाई करनी जरूरी हो गई थी! और यह काम सिर्फ एक ही आदमी कर सकता था! सुपर कमांडो ध्रुव!
और कोई भी दूसरा यह काम अंजाम देने की कोशिश करता तो या तो जमीन के नीचे लेटा मिलता या लकड़ियों पर सोता हुआ!

सवाल यह था कि तुमको यह काम करने के लिए राजी कैसे किया जाए? स्ट्रीट गैंग ऐसा कोई बड़ा अपराध करते ही नहीं थे जो तुम्हारा ध्यान खींच सके! तभी मेरी नजर उस विज्ञापन पर पड़ी जो युवाओं के कमांडो फोर्स ज्वाइन करने के विषय में था! बस उसी विज्ञापन में मेरी योजना तैयार होने लगी!... एलीगेटर गैंग मेरा अपना गैंग था! मेरे विश्वासपात्रों का ग्रुप! मैंने उनके दुश्मन थंडरबोल्ट गैंग के लीडर धन्नू का कत्ल करके वहां पर एलीगेटर गैंग का नाम लिख दिया! और फिर थंडरबोल्ट गैंग के पास पहुंचकर उनको बदला लेने के लिए हथियार भी सप्लाई कर दिए! अब एक बड़ा अपराध होने वाला था! इसकी सूचना मैंने तुम तक पहुंचाई, और तुम घटनास्थल पर जा पहुंचे!
DISPOVAN
यहां पर एक तीर से दो शिकार होने वाले थे! थंडरबोल्ट गैंग का खात्मा और एलीगेटर गैंग का कमांडो फोर्स में शामिल होना! और याद करो, इसके लिए तुमको 'जस्टिस' ने प्रेरित किया था! वह भी प्लान का ही एक हिस्सा था!
नई कमांडो फोर्स का काम तुम्हें सूचनाएं पहुंचाना था, और तुम्हारी मदद से एक-एक करके स्ट्रीट गैंगों को खत्म करना था! हर गैंग को मैं हेरोईन या हथियार पहले ही सप्लाई कर देता था, ताकि वे सुबूत के साथ पकड़े जाएं! जस्टिस का काम तुम्हारी मदद करना भी था, और मेयर सांवरिया को फंसाने के लिए इकट्ठे किए गए सुबूतों की तरफ इशारा करना भी! जब तुम और जस्टिस उस गार्जियन के पास उसको पकड़ने के लिए पहुंचे थे तो वह बेचारी इंजेक्शन लगा नहीं रही थी... निकाल रही थी! उस इंजेक्शन को जिसे मैंने उसे लगाया था!...
... यहां तक का रास्ता साफ हो चुका था! सारे गैंग सिवाय 'किंग' के खत्म हो चुके थे! और गार्जियन भी पकड़ा जा चुका था! अब आखिरी वार करना था!
किंग गैंग को रास्ते से हटाना और भविष्य में खतरा बनने वाले सुपर कमांडो ध्रुव को इस दुनिया से भगाना!
और देखो, मैंने किस खूबसूरती से इस आखिरी प्लान को अंजाम दिया है! बस अब तो चला-चली का वक्त है! भगवान को याद कर ले सुपर कमांडो ध्रुव!
कमांडो फोर्स, खत्म कर दो अपने कैप्टेन को!

बस, गार्जियन! इतनी देर से मैं तेरी बातें इसीलिए सुन रहा था, क्योंकि मुझे भी तेरा प्लान जानने की इच्छा थी! लेकिन अब मेरी कमांडो फोर्स को आदेश देकर तू अपनी सीमा का उल्लंघन कर रहा है! ये चारों अब किसी स्ट्रीट गैंग एलीगेटर के सदस्य नहीं, बल्कि कमांडो फोर्स के सदस्य हैं! इन्होंने शपथली है! और अब तक न इन्होंने अपना इस्तीफा मुझे सौंपा है और न ही मैंने इनको फोर्स से निकाला है! कमांडो फोर्स के लिए फायर आर्म्स चलाना भी निषिद्ध है, और उठाना भी!
गोली चलाओ, मूर्खों! गोली चलाओ! चलाओ!
अपने हथियार फेंक दो कमांडोज!
ध्रुव की आवाज में भरे विश्वास ने-
कमांडो फोर्स की आत्मा को अंदर तक झिंझोड़कर रख दिया-
उनकी गर्दनें भी शर्म से झुकती चली गईं, और उनके हथियार भी-
मैं तुम्हारा कैप्टेन तुमको आदेश देता हूं कि अपने हथियार फेंक दो!
तुम लोग अगर गोली नहीं चलाओगे गद्दारो...
...तो गोली मैं चलाऊंगा!

ओह! मैं अपने सिर को इस बॉक्स के अन्दर छिपाकर फिलहाल तो बच सकता हूं, लेकिन कब तक? पर इसकी गोलियों की बौछार ने इस बॉक्स को अपने धक्कों से झुला दिया है! और मैं इस बात का फायदा उठा सकता हूं!
मुझे अपने शरीर को जरा सा हिलाकर पेंग भरनी होगी, और यह बॉक्स झूले की तरह झूलकर जस्टिस को तारे दिखा देगा!
तड़ाक
जस्टिस को तारे तो जरूर दिख गए-
पर निशाना बिगड़ जाने की वजह से गोलियों ने चेन को ही तोड़ दिया, और ध्रुव को लिए हुए बॉक्स पानी में जा गिरा-
हा हा हा! अब तू नहीं बचेगा! मैंने सुना है कि तू पानी में सांस ले सकता है, पर मैंने यह भी सुना है कि यहां के पानी में मांसभक्षी मछलियां भी हैं, वे तुझे आधे घंटे में चट कर जाएंगी! फिर तू इस कैद से आजाद हो जाएगा!
ऐसा है तो हम अपने कैप्टेन को बचाएंगे!
तुम लोग कहीं नहीं जाओगे! फिलहाल तो तुम लोगों को अपनी गद्दारी की कीमत चुकानी है!
बच्चों पर हाथ क्यों आजमा रहे हो जस्टिस, और गार्जियन...
...उनको ध्रुव को बचाने जाने दो!...
...और लड़ने की हसरत मुझसे लड़कर पूरी कर लो! एक साथ!
छबीली थी! अब नहीं हूं! मुझे ब्लैक कैट कहते हैं! और मुझे तुम जैसे कीड़ों से सख्त नफरत है!
छबीली! तू तो छबीली लग रही है!

मैंने छबीली के रूप में कोलीपाड़ा जाकर कुछ गुंडे लड़कों से सिर्फ इसलिए जान-बूझकर पंगा लिया था, ताकि किंग गैंग की निगाह मुझ पर पड़ जाए, और मुझे उनके गैंग में दाखिला मिल जाए! मुझे समाचार पत्रों में यह खबर मिल चुकी थी कि किंग गैंग अंडरग्राउंड है! और उन तक पहुंच पाने का सिर्फ यही एक तरीका मेरे दिमाग में आ रहा था!
तरीका सफल भी रहा!
लेकिन अगर उस समय किंग गैंग को पकड़ा भी जाता तो वे जल्दी ही छूट भी जाते! क्योंकि उस वक्त उनके पास कुछ भी आपराधिक सबूत वाली चीजें नहीं थीं! मैं मौके के इंतजार में रही!
और तुम्हारे हथियार सप्लाई करने के बाद मैं समझ गई कि सारा चक्कर तुम्हारा ही चलाया हुआ है! मैं तुम्हारे पीछे जाना चाहती थी!
लेकिन बादशाह की तेज नजरों से बचकर बाहर जाना जरा मुश्किल था, और उस वक्त मैं शक पैदा करना नहीं चाहती थी!
वैसे भी उस वक्त तीस लोगों से एक साथ निबटना मेरे लिए असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर होता, मैं मौके के इंतजार में रही, और मौका मुझे यहां कंटेनर यार्ड में मिल गया!
मेरा अगला निशाना तुम थे! और देखो कि मुझे तुमको भी ढूंढने की जरूरत नहीं पड़ी!
तड़ाक
अब सिर्फ एक ही रास्ता बचा था भागने का-
और इसका मौका गार्जियन और जस्टिस को जल्दी ही मिल गया-
ब्लैक कैट! हमको बॉक्स तो मिल गया है, पर ध्रुव उसमें नहीं है! क्या ये मछलियां कपड़े और हड्डी तक खा जाती हैं!
भाग ले जस्टिस!
गार्जियन और जस्टिस जूडो-कराटे में माहिर होने के बावजूद भी ब्लैक कैट से मार खाते ही जा रहे थे-
वर्ना सारी दुनिया का हल्दी चूना मिल कर भी हमारी चोटों को दुरुस्त नहीं कर पाएगा!
जस्टिस और गार्जियन भागे तो जरूर-

लेकिन ज्यादा दूर तक भाग नहीं पाए-
क्योंकि रास्ते में खड़ा हुआ था-
आऽऽह!
?
सुपर कमांडो ध्रुव! वाह तुम तो 'हुडिनी' बन गए! आखिर तुम उस कैद से छूटे कैसे?
पहला सवाल तो मुझको तुमसे पूछना चाहिए कि तुम यहां पर कैसे टपक पड़ी? खैर बाद में पूछ लूंगा!
धाड़
उस कैद से छूटने में मुझे ज्यादा नहीं, बस थोड़ी सी दिक्कत हुई! अपने शरीर की लचक का प्रयोग करते हुए मैंने अपने एक हाथ और दाहिने पैर को कैद वाले छेदों से बाहर निकाल लिया...
...मेरी बेल्ट और ब्रेसलेट तो इन लोगों ने जरूर उतार लिए थे! पर मेरे बूटों की एड़ी के खांचों में हमेशा ऐसे मिनी यंत्र रखे होते हैं, जो मुझे ऐसी किसी कैद से आजाद करा सकें!
तड़
बस, उसी में रखे एक ताला खोलने वाली क्लिप से मैंने लॉक को खोल लिया! फिर आजाद होना ज्यादा देर का काम नहीं था!
अब जरा इनकी शक्लें देख कर यह भी पता कर लिया जाए कि ये आखिर कौन हैं?
दोनों के चेहरों से नकाब उतरते ही सभी आश्चर्यचकित रह गए-
ये... ये तो मेयर सांवरिया के पति और उनका बेटा हैं!
अपने पतले शरीर पर मोटी पैडेड पोशाक पहनकर इसने हमको अच्छा बेवकूफ बनाया!
ये मैडम सांवरिया के पति जरूर हैं, ब्लैक कैट, लेकिन बेटा इसी का है, सांवरिया का नहीं!
बेटा तो ये मेरा भी नहीं है! यह तो मेरे कराटे स्कूल का एक अनाथ छात्र था, जो मेरे साथ रहता है! लोगों ने इसे मेरा बेटा समझना शुरू कर दिया तो मैंने भी उनकी गलतफहमी दूर करने की कोशिश नहीं की!
मैं चोरी-छिपे अपना धंधा उस वक्त भी करता था...

समाप्त

GREEN PAGE-113

प्रिय मित्रो, नमस्कार!

आपने कहा हमने किया। जी हां, आपकी पुरानी डिमांड थी कि एक कहानी सुपर कमांडो ध्रुव की मशहूर कमांडो फोर्स पर लिखी जाए। प्रस्तुत विशेषांक आपकी उसी डिमांड को पूरा करता है। हालांकि इसमें कमांडो फोर्स के पुराने जांबाज पीटर, करीम व रेणु का कोई काम नहीं है लेकिन फिर भी इस विशेषांक के जरिए हमने आप तक पहुंचाई है एक बेहद मनोरंजक व सस्पेंसफुल कहानी। साथ ही हमने इस कहानी के जरिए आप सबको एक मैसेज भी देने का प्रयास किया है कि आप सब भी कमांडो फोर्स के कमांडोस की तरह दृढ़ निश्चयी बनने की कोशिश करें व समाज से बुराईयां दूर हटाएं। बुराईयां, जुर्म व अपराध हमीं से शुरू होता है। यदि हम सभी अपने-अपने अंदर की बुराइयों को दृढ़ संकल्प से दूर कर लें तो अपराध फिर कहां रहेगा? कौन अपराधी बनेगा। हमारा समाज खुद अपराध मुक्त हो जाएगा। तो दूसरों से लड़ने से पहले खुद से लड़ो। अपने अंदर दृढ़ इच्छाशक्ति पैदा करो। मेहनती बनो व ज्ञानवान बनो। ज्ञान अच्छे कर्मों का जन्मदाता है और अज्ञान दुष्कर्मों का। आप सब एक कमांडो बनें सीमाओं पर लड़ने से पहले अज्ञानता से लड़ें, शिक्षा प्राप्त करें। शिक्षा बांटें व अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करें। जिससे कि बुरे कर्मों की तरफ ना कदम बढ़ें ना दिमाग लगे।

आप हमें अपने पत्रों द्वारा सूचित करें कि प्रस्तुत विशेषांक आपको कैसा लगा। ध्रुव का वायदा है कि वह हमेशा आपका अपने कारनामों द्वारा मनोरंजन करता रहेगा। आगामी विशेषांक **कोहराम** में **ध्रुव, नागराज** व **राज कॉमिक्स** के अन्य सुपर हीरोज **परमाणु, शक्ति, कोबी, इंस्पेक्टर स्टील, तिरंगा, एंथोनी** और **डोगा** के साथ आ रहा है। यह विशेषांक 128 पेज व 40/- रुपये मूल्य का है। जो भी पाठक यह विशेषांक खरीदना चाहते हैं वे पहले ही अपने पुस्तक विक्रेता के पास अपनी कॉमिक बुक करा लें।

हमारे सभी पाठकों को नागराज के टी.वी.सीरीयल का बेहद इंतजार है। वे अपने पत्रों में हमसे इस सीरीयल के चेनल, डेट्स, टाइम के बारे में पूछते रहते हैं। यूं तो हमने यह दावा किया था कि यह सीरीयल वर्ष 1999 में आपके टी.वी. सैटों तक पहुंच जाएगा, किन्तु किन्हीं कारणोंवश यह दावा हम पूरा नहीं कर पाए। लेकिन वर्ष 2000 अप्रैल माह में हम यह सीरीयल आप तक पहुंचाने में लगे हुए हैं और हर तरह से कामयाबी प्राप्त करने की कोशिशें कर रहे हैं। इसकी सही डेट, समय व चैनल की सूचना आप तक जल्दी ही पहुंचाई जाएगी।

पत्रव्यवहार इस पते पर करें: **ग्रीन पेज-113, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84**